

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान दिवस - प्रमुख कार्यक्रमों की सूची
2.	राजस्थान में 'प्राचीन ग्रंथों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण' का सर्वे
3.	टीकाकरण में राजस्थान की प्रगति
4.	'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' में जयपुर अव्वल
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 'पंडून का कड़ा' गायन शैली 2. राजस्थान उत्सव - 2026 3. जौहर श्रद्धांजलि समारोह : चित्तौड़गढ़ 4. राज्य स्तरीय उपभोक्ता सम्मेलन : जयपुर 5. राज सखी सरस मेला 'जोधाणा 2026' 6. देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग संस्थान 7. होण्डा के पहले ईवी मॉडल का अनावरण 8. राजस्थान स्टेट गैस को राष्ट्रीय 'डायमण्ड अवार्ड'
6.	फेनोलॉजी (ऋतुजैविकी)
7.	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
8.	सुजल गाँव आईडी (Sujal Gaon ID)
9.	किफायती और मध्यम आय वाले आवास निवेश कोष (स्वामीह)
10.	खार्ग द्वीप
11.	वैश्विक महामारी समझौता
12.	ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB)
13.	राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य
14.	हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस (HSV)



राजस्थान परिदृश्य

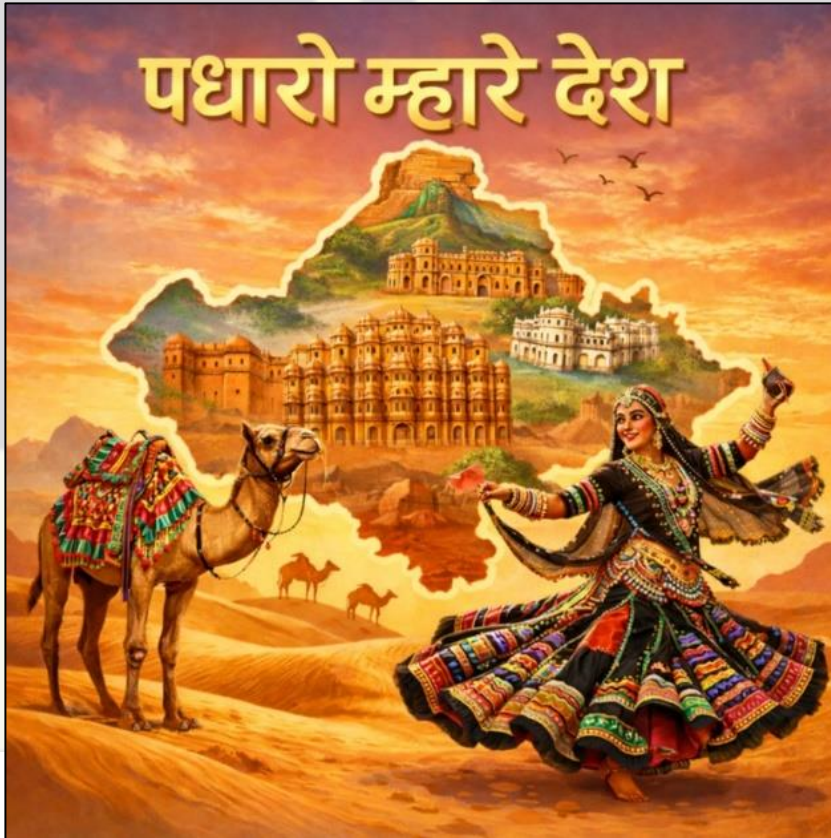


राजस्थान दिवस - प्रमुख कार्यक्रमों की सूची



चर्चा में क्यों?

- 14 मार्च, 2026 को सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह के साथ 'राजस्थान दिवस - 2026' की औपचारिक शुरुआत हुई।



मुख्य बिन्दु:

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 12 मार्च, 2025 को राजस्थान दिवस को 30 मार्च के स्थान पर भारतीय नववर्ष की प्रतिपदा (चैत्र प्रतिपदा) को मनाये जाने की घोषणा की। इसी क्रम में वर्ष 2026 के राजस्थान दिवस का आयोजन 19 मार्च (चैत्र शुक्ल एकम्/नव संवत्सर) को किया जाएगा।

Daily Current Affairs

Date : 16 March, 2026



राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की सूची:

क्रम	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	स्थल
1.	15 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रत्न' का आयोजन'राजस्थान को जाने' डिजिटल क्विज का शुभारंभराज्य स्तरीय ODOP और 'जयपुर रत्नम्' प्रदर्शनीराजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा चित्र प्रदर्शनी	जयपुर
2.	16 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस	बेणेश्वर धाम, डूंगरपुर
3.	17 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">राजस्थान युवा शक्ति दिवसराज्य स्तरीय युवा सम्मेलन	जयपुर
4.	18 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">किसान एवं पशुपालक संवाद	भरतपुर
5.	19 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम	जयपुर
6.	19 मार्च, 2026	<ul style="list-style-type: none">राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह	जालौर

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

'राजस्थान को जानें' ऑनलाइन क्विज:

- आयोजन : सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (DOIT&C) तथा राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RKCL) के सहयोग से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा।
- प्रत्येक क्विज में 25 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसे 15 मिनट में हल करना होगा।

--3--

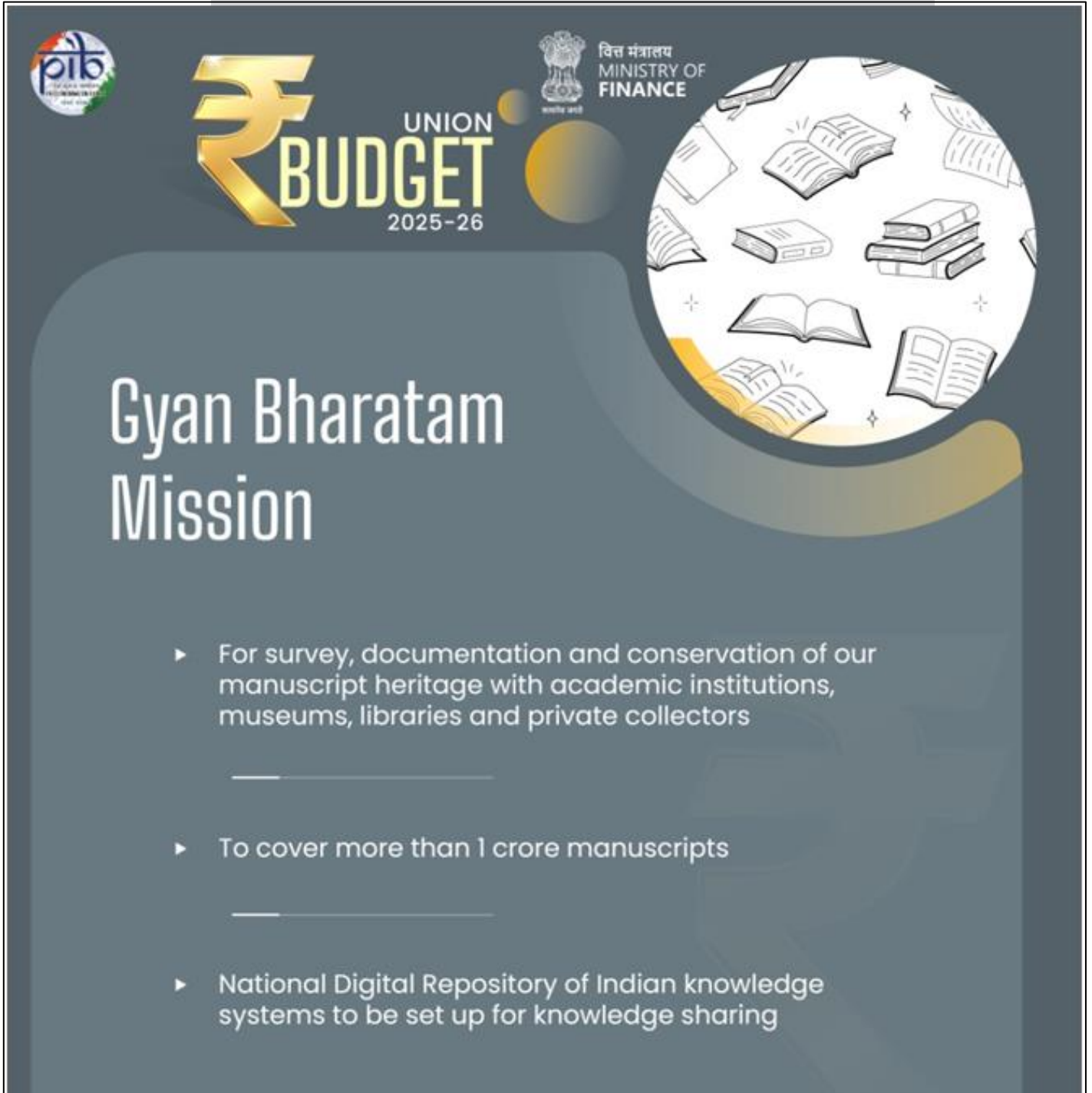
फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के अवसर पर तत्कालीन उप-प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर में वर्ष प्रतिपदा विक्रमी संवत् 2006 के दिन अर्थात् 30 मार्च, 1949 को अपने उद्बोधन में कहा:-
- "राजपूताना में आज नए साल का प्रारंभ है यहाँ आज के दिवस साल बदलता है। शक बदलता है। यह नया वर्ष है तो आज के दिन हमें नए महाराजस्थान के महत्त्व को पूर्ण रीती से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाएँ। राजस्थान को उठाने के लिए राजपूतानी प्रजा की सेवा के लिए ईश्वर हमको शक्ति और बुद्धि दें। आज इस शुभ दिन पर हमें ईश्वर का आशीर्वाद मांगना है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सब मेरे साथ राजस्थान की सेवा की इस प्रतिज्ञा में इस प्रार्थना में शरीक होंगे, जय हिंद"।

राजस्थान में 'प्राचीन ग्रंथों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण' का सर्वे

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में 16 मार्च, 2026 से प्राचीन ग्रंथों एवं पाण्डुलिपियों के सर्वेक्षण और संरक्षण के लिए व्यापक अभियान की शुरुआत की गई।



The poster features the Union Budget 2025-26 logo with a large Rupee symbol and the text 'UNION BUDGET 2025-26'. It also includes the Ministry of Finance logo and a circular graphic containing illustrations of books and manuscripts. The mission name 'Gyan Bharatam Mission' is prominently displayed in the center.

UNION BUDGET 2025-26

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE

Gyan Bharatam Mission

- ▶ For survey, documentation and conservation of our manuscript heritage with academic institutions, museums, libraries and private collectors
- ▶ To cover more than 1 crore manuscripts
- ▶ National Digital Repository of Indian knowledge systems to be set up for knowledge sharing

--:5:--

मुख्य बिन्दु:

- यह पहल भारत सरकार के 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत संचालित की जाएगी।
- राज्यव्यापी सर्वेक्षण के तहत राज्य के पर्यटन, कला-साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदेश में प्राचीन ग्रंथों और पाण्डुलिपियों की खोज और सूचीकरण के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा।
- सर्वेक्षण के तहत प्राचीन पाण्डुलिपियों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध और पंजीकृत किया जाएगा। इस मिशन का प्रमुख लक्ष्य दुर्लभ पाण्डुलिपियों का उच्च गुणवत्ता वाला डिजिटल डेटाबेस तैयार करना है ताकि उन्हें भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जा सके।
- **राजस्थान पाण्डुलिपि सर्वे के लिए राज्य नोडल अधिकारी** : राजस्थान संस्कृत अकादमी की निदेशक डॉ. लता श्रीमाली।
- **मुख्य क्लस्टर केंद्र** : राजस्थान में 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत पाण्डुलिपियों के संरक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर को राज्य के मुख्य क्लस्टर केंद्र के रूप में नामित किया गया है।
- **नोट** : बीकानेर स्थित अभय जैन ग्रंथालय को राजस्थान का पहला आधिकारिक पाण्डुलिपि संरक्षण केंद्र घोषित किया गया है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **ज्ञान भारतम मिशन** : केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की विशाल हस्तलिखित विरासत (पाण्डुलिपियों) का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण करना है।
- भारत की ज्ञान विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए 11 से 13 सितंबर, 2025 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'पहला ज्ञान भारतम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' आयोजित किया गया।

टीकाकरण में राजस्थान की प्रगति

चर्चा में क्यों?

- हालिया जारी आँकड़ों के अनुसार राजस्थान ने टीकाकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है। करीब 3 दशक पूर्व प्रदेश में टीकाकरण मात्र 21 प्रतिशत था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 91.8 प्रतिशत हो गया है।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जन्म से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को विभिन्न टीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है।
- NFHS-5 के अनुसार राजस्थान में 12-23 महीने के बच्चों के पूर्ण टीकाकरण का प्रतिशत 80.4 है, जो राष्ट्रीय औसत (76.4 प्रतिशत) से 4 प्रतिशत अधिक है।

राज्य में बच्चों के टीकाकरण के प्रकार :

क्रम	टीके का नाम	रोग की रोकथाम
1.	बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (BCG) वैक्सीन	तपेदिक (TB)
2.	हेपेटाइटिस B वैक्सीन	हेपेटाइटिस B वायरस से होने वाला लीवर संक्रमण
3.	पेंटावैलेंट वैक्सीन	5 टीकों का मिश्रण : डिप्थीरिया, पर्टुसिस (कुकुर खांसी), टेटनस, हेपेटाइटिस बी और Hib (हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप B)
4.	पोलियो वैक्सीन 1. OPV : ओरल पोलियो वैक्सीन। 2. IPV : इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन।	पोलियो

Daily Current Affairs

Date : 16 March, 2026



5.	रोटावायरस वैक्सीन (RVV)	बच्चों में डायरिया (दस्त) से बचाव
6.	न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (PCV)	निमोनिया और दिमागी बुखार
7.	खसरा और रूबेला (Measles and Rubella) वैक्सीन	खसरा और रूबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से सुरक्षा

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **नोट :** राजस्थान में वर्ष 2009 के बाद पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है और भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त देश घोषित किया जा चुका है।
- **नोट :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी, 2026 को महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) की रोकथाम के लिए अजमेर से 'राष्ट्रव्यापी HPV टीकाकरण अभियान' का शुभारंभ किया।
- **नोट :** हर साल 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (National Vaccination Day) मनाया जाता है। इसे 'राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस' भी कहा जाता है। इसकी शुरुआत 16 मार्च 1995 को हुई थी, जब भारत में पहली बार मुंह के जरिए पोलियो वैक्सीन (Oral Polio Vaccine) की खुराक दी गई थी।

--8--

'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' में जयपुर अव्वल



चर्चा में क्यों?

- जयपुर जिले ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' में राज्यभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एक नये
परिणाम उत्कर्ष

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

“

'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' के माध्यम से हमारी सरकार, पहले चरण में 5 हजार गाँवों में सभी बीपीएल परिवारों को, गरीबी रेखा से ऊपर लाएगी तथा

इसके लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है।



मुख्य बिन्दु:

- योजना का लक्ष्य : प्रदेश के बी. पी. एल. (Below Poverty Line) ग्रामीण परिवारों का आर्थिक सशक्तीकरण करना तथा उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाना।
- योजना का उद्देश्य : बी. पी. एल. जनगणना 2002 के अनुसार चिह्नित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

--:9:--

Daily Current Affairs

Date : 16 March, 2026



- **विस्तार** : यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी।
- **प्रथम चरण** : योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बी. पी. एल. परिवारों को चिह्नित किया गया है।

योजना के मुख्य प्रावधान:

- चयनित 5000 गांवों के बी. पी. एल. परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए ₹300 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार दिए जाएंगे।
- त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः ₹50 लाख, ₹35 लाख और ₹25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।
- राज्य सरकार द्वारा स्वयं के प्रयासों से गरीबी रेखा के ऊपर आने वाले परिवारों को सम्मान स्वरूप ₹21 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- जयपुर ने 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' के अंतर्गत क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल श्रेणी और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत प्राइमरी कलेक्शन ऑफ सॉलिड वेस्ट तथा रिमूवल ऑफ जीवीपी में भी राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

-:10:-



✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>'पंडून का कड़ा' गायन शैली</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान दिवस समारोह-2026 के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र में कला-साहित्य एवं संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री अवॉर्डि उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती समूह द्वारा 'पंडून का कड़ा' गायन की प्रस्तुति दी गई।■ पंडून का कड़ा हरियाणा और राजस्थान के मेवात क्षेत्र की एक अत्यंत प्राचीन और समृद्ध लोक गायन शैली है। यह मुख्य रूप से मेवाती जोगियों द्वारा प्रस्तुत की जाती है और इसका इतिहास लगभग 600 वर्षों से भी अधिक पुराना माना जाता है।■ यह गायन शैली पूरी तरह से महाभारत की कथा पर आधारित है। इसे "मेवाती महाभारत" भी कहा जाता है।■ इसे गाते समय मुख्य रूप से भपंग वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है।
2.	<p>राजस्थान उत्सव - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 मार्च, 2026 को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में 'राजस्थान उत्सव - 2026' का औपचारिक शुभारंभ किया।■ आयोजन : 15 से 25 मार्च, 2026 तक।■ यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, लोकसंगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करता है।

3.	<p>जौहर श्रद्धांजलि समारोह : चित्तौड़गढ़</p> <ul style="list-style-type: none">■ 13 से 15 मार्च, 2026 तक चित्तौड़गढ़ में जौहर श्रद्धांजलि समारोह - 2026 का आयोजन किया गया।■ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 मार्च को मुख्य समारोह में शिरकत की।■ कार्यक्रम के दौरान पूर्व राज्यपाल वी.पी. सिंह बदनौर द्वारा लिखित पुस्तक "जयमल वंश प्रकाश" का विमोचन किया गया।
4.	<p>राज्य स्तरीय उपभोक्ता सम्मेलन : जयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">■ विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राज्य स्तरीय उपभोक्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।■ आयोजन : कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर।■ थीम : "सुरक्षित उत्पाद-आश्वस्त उपभोक्ता"।■ राजस्थान उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर : 14435■ उपभोक्ता प्रकरणों के निस्तारण में राज्य उपभोक्ता आयोग : तीसरे स्थान पर।■ गिव अप अभियान : स्वेच्छा से अपनी खाद्य सब्सिडी त्यागने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान में गिव अप अभियान की शुरुआत 1 नवंबर, 2024 को की गई।
5.	<p>राज सखी सरस मेला 'जोधणा 2026'</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 14 से 20 मार्च, 2026 तक जोधपुर में।■ आयोजक : राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से।

6.	<p style="text-align: center;">देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग संस्थान</p> <ul style="list-style-type: none">■ जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल के चरक भवन में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंस्टीट्यूट ऑफ डर्मेटोलॉजी (चर्म रोग संस्थान) निर्मित किया गया है।■ लंदन के बाद विश्व का यह दूसरा सबसे एडवांस एवं उत्कृष्ट संस्थान है, जो डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करवाएगा।■ उल्लेखनीय है कि SMS अस्पताल में उच्च स्तरीय हृदय रोग सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियो वेस्कुलर साइंसेज विकसित किया गया है।
7.	<p style="text-align: center;">होण्डा के पहले ईवी मॉडल का अनावरण</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने होण्डा मोटर्स के पहले इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) मॉडल '0 α' (Zero Alpha) का अनावरण किया।■ भारत में निर्मित होने वाली होण्डा की यह पहली इलेक्ट्रिक कार होगी, जिसका निर्माण टपूकड़ा संयंत्र (खैरथल-तिजारा) में किया जाएगा।■ राजस्थान में होण्डा कम्पनी के संयंत्र का शिलान्यास वर्ष 2007 में हुआ तथा वर्ष 2014 में वाहनों का उत्पादन प्रारम्भ हुआ।
8.	<p style="text-align: center;">राजस्थान स्टेट गैस को राष्ट्रीय 'डायमण्ड अवार्ड'</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड (RSGL) को स्मार्ट गैस वितरण के क्षेत्र में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'डायमण्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया।■ इंडिया स्मार्ट ग्रीड फोरम द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह में RSGL के उपमहाप्रबंधक विवेक श्रीवास्तव और सी.पी. चौधरी ने यह सम्मान प्राप्त किया।■ RSGL को यह पुरस्कार CNG मदर स्टेशन पर IoT आधारित स्मार्ट तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए दिया गया है।

भूगोल एवं भू-विज्ञान

फेनोलॉजी (ऋतुजैविकी)

चर्चा में क्यों?

- भारत में सर्दियों के अंत और बसंत की शुरुआत में असामान्य गर्मी पौधों और जानवरों के व्यवहार को बदल रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह परिघटना फेनोलॉजी (Phenology) यानी ऋतुजैविकी के चक्र को प्रभावित कर रही है।



मुख्य बिन्दु:

फेनोलॉजी (ऋतुजैविकी)

- फेनोलॉजी से तात्पर्य मौसमी जैविक परिघटनाओं के घटित होने के समय या चक्र से है। जैसे-फूल खिलना, प्रजनन और प्रवास।
- जलवायु परिवर्तन इन चक्रों को बदल रहा है। इससे प्रजातियों और उनके पर्यावरण के बीच पारिस्थितिक असंगति उत्पन्न हो रही है।

उदाहरण

- कश्मीर हिमालयी क्षेत्र में पौधें सामान्य से 20-25 दिन पहले खिलने लगे हैं। इसके कारण मधुमक्खियों जैसे परागणकों के साथ उनका तालमेल बिगड़ रहा है, जिससे मधुमक्खियों की संख्या में दीर्घकालिक गिरावट का खतरा पैदा हो गया है।
- बढ़ती गर्मी के कारण पक्षियों और सरीसृपों के पर्यावास पर तनाव बढ़ रहा है और प्रजनन चक्र बाधित हो रहा है। जैसे हॉक ईगल जैसे पक्षियों की प्रजनन गतिविधियों पर इसका गहरा असर देखा जा रहा है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने देशभर के किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी कर दी है।



मुख्य बिन्दु:

PM-KISAN

- मंत्रालय: केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
- शुभारंभ: वर्ष 2019
- योजना का प्रकार: केंद्रीय क्षेत्रक योजना
- उद्देश्य: भूमि-धारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में सहायता करना।

-:16:-

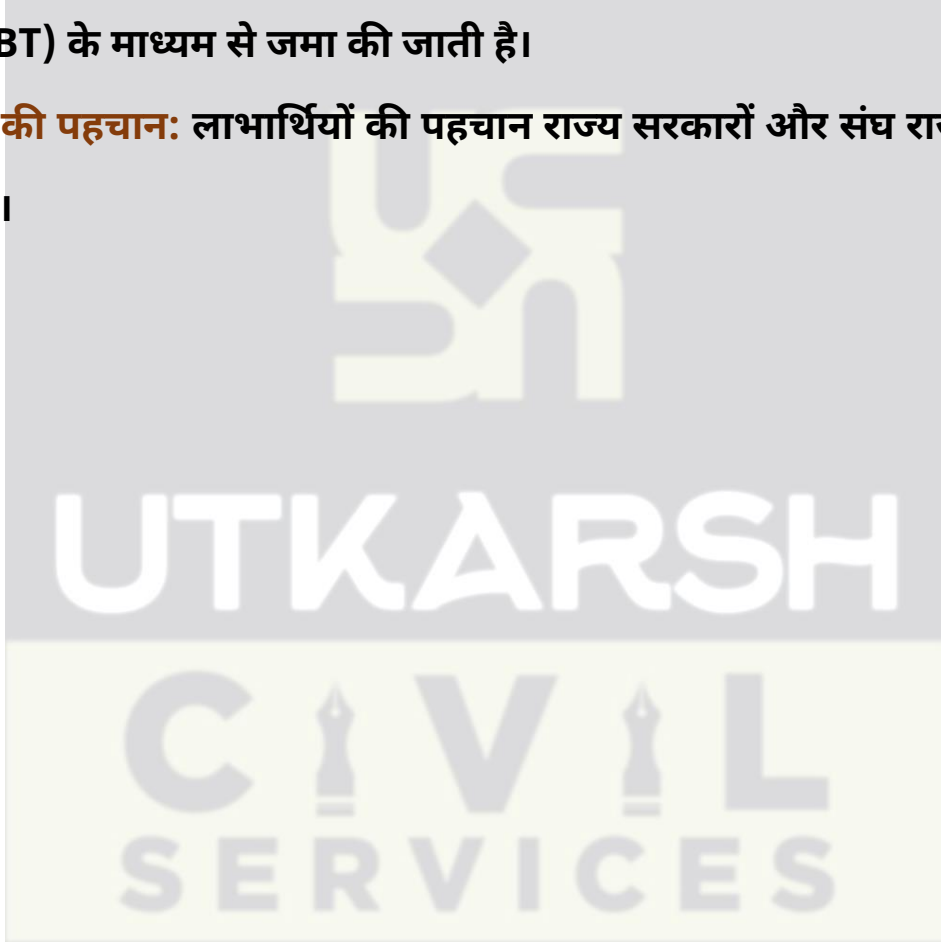
Daily Current Affairs

Date : 16 March, 2026



प्रमुख विशेषताएँ:

- **लाभ:** पात्र भूमि-धारक किसान परिवारों (पति, पत्नी और नाबालिग बच्चे) को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है।
- यह राशि 2000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से जमा की जाती है।
- **लाभार्थियों की पहचान:** लाभार्थियों की पहचान राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा की जाती है।



-:17:-

सुजल गाँव आईडी (Sujal Gaon ID)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने सुजल गांव आईडी का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- **शुभारंभ:** इसे केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत शुरू किया गया है।
- **स्वरूप:** यह ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपड जलापूर्ति योजनाओं की पहचान के लिए एक विशिष्ट डिजिटल आईडी है।
- **उद्देश्य:** जल स्रोत से घर में नल तक जलापूर्ति के लिए ग्रामीण पेयजल अवसंरचना का डिजिटल मानचित्र तैयार करना।
- **प्लेटफॉर्म:** इसे 'सुजलम भारत' राष्ट्रीय डिजिटल आर्किटेक्चर के साथ जोड़ा गया है।

महत्त्व:

- यह जलापूर्ति योजनाओं की निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएगी।
- यह वर्ष 2028 तक 'हर घर जल' के सार्वभौमिक लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगी।

किफायती और मध्यम आय वाले आवास निवेश कोष (स्वामीह)

चर्चा में क्यों?

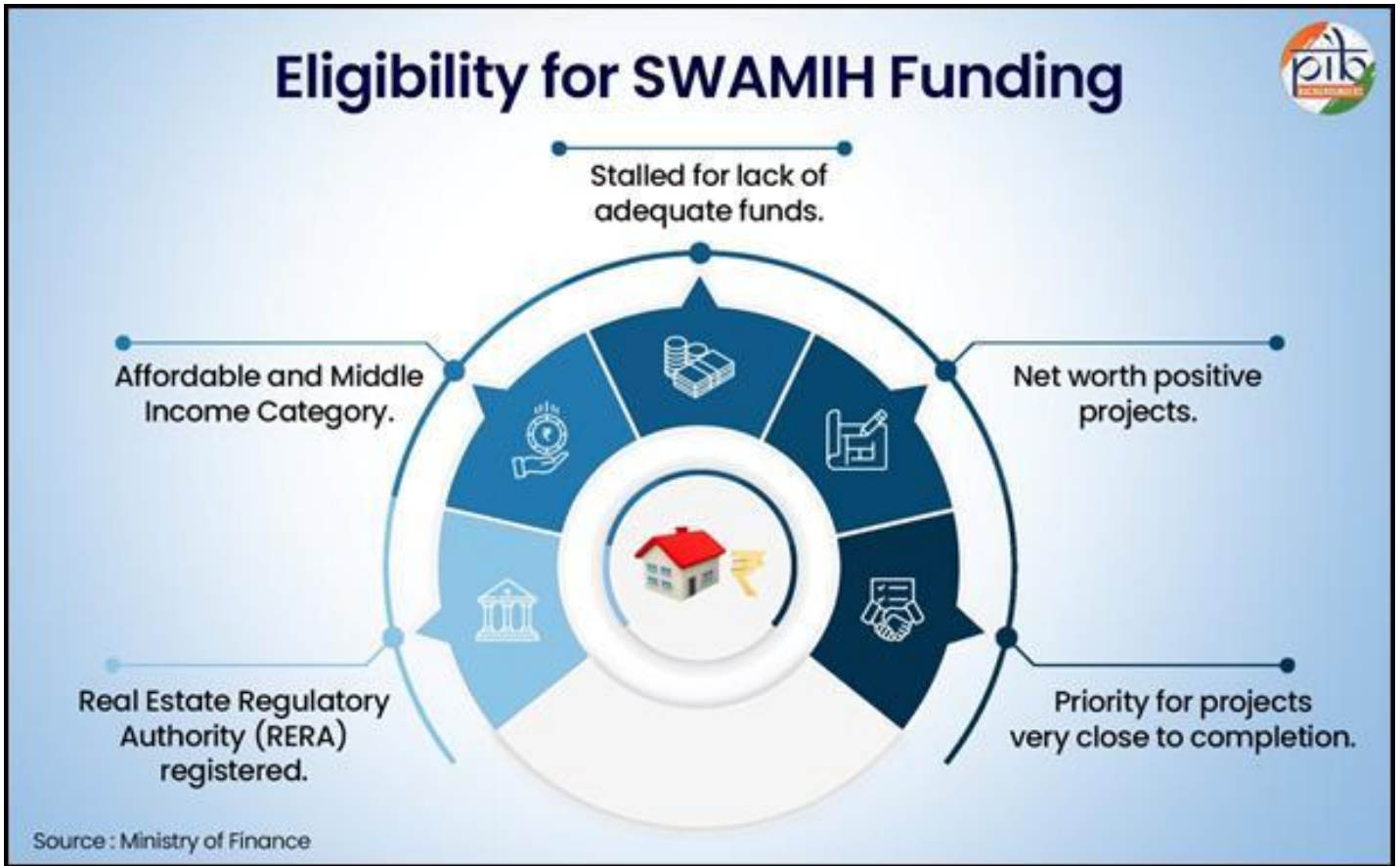
- किफायती और मध्यम आय वाले आवास निवेश कोष (स्वामीह) के लिए विशेष विंडो भारत में आवास क्षेत्र के लिए एक प्रमुख नीतिगत पहल के रूप में उभरी है।

SWAMIH Fund



मुख्य बिन्दु:

- वर्ष 2019 में शुरू किया गया, स्वामीह वित्तीय बाधाओं से प्रभावित आवास परियोजनाओं को वित्त प्रदान करता है।
- इस फंड को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया जाता है और इसका प्रबंधन स्टेट बैंक समूह की कंपनी एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड द्वारा किया जाता है।



- **प्रभाव और परिणाम:** स्वामीह योजना के तहत अब तक 58,596 से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है, और 1 लाख से अधिक घरों का निर्माण होना अपेक्षित है, जिससे 2.38 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



खार्ग द्वीप

- चर्चा में क्यों?**
- हाल ही में, अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर सैन्य ठिकानों पर हमला किया।



मुख्य बिन्दु:

खार्ग द्वीप

- अक्सर अनाथ मोती के रूप में जाना जाने वाला, खार्ग द्वीप उत्तर-पूर्वी फारस की खाड़ी में एक छोटा द्वीप है, जो ईरान के खुज़ेस्तान प्रांत के तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है।
- अपने छोटे आकार के बावजूद, यह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण तेल निर्यात टर्मिनल है और दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा चोकपॉइंट्स में से एक है।

--:21:--



- ईरान पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 4.5% हिस्सा है।

वैश्विक महामारी समझौता

चर्चा में क्यों?

- भारत जिनेवा में आगामी महामारी समझौते की वार्ता में विकासशील देशों के लिए एक निष्पक्ष लाभ-साझाकरण ढांचे के लिए जोर दे रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- इसे मई, 2025 में विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा अपनाया गया था।
- **उद्देश्य:** महामारी की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया में वैश्विक कमियों और असमानताओं को दूर करने के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय ढांचा स्थापित करना है।
- इसके पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट-शेयरिंग सिस्टम पर बातचीत चल रही है ताकि यह विनियमित किया जा सके कि जैविक नमूनों और आनुवंशिक डेटा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे साझा किया जाए।
- इसे मई 2026 तक अपनाए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद यह देशों के हस्ताक्षर और पुष्टि के लिए खुला रहेगा, और 60 पुष्टियों के 30 दिन बाद यह लागू हो जाएगा।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB)

चर्चा में क्यों?

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड परियोजना का कैप्टिव ब्रीडिंग कार्यक्रम चौथे वर्ष में प्रवेश कर गया है। कैप्टिव ब्रीडिंग यानी संरक्षित प्रजनन में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी की कुल संख्या 70 हो गई है।

Project Great Indian Bustard (Project GIB)



मुख्य बिन्दु:

- **पर्यावास:** यह भारतीय उपमहाद्वीप का स्थानिक पक्षी है। यह मुख्य रूप से कृषि-घास के मैदानों में पाया जाता है।
- इसकी सर्वाधिक संख्या राजस्थान में पाई जाती है। इसके अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी ये प्राप्त होते हैं।
- राजस्थान में इसे 'गोडावण' के नाम से जाना जाता है।

--:24:--

Daily Current Affairs

Date : 16 March, 2026



विशेषताएँ:

- यह सर्वाहारी पक्षी है और 'ओटिडिडे' कुल से संबंधित है।
- इसमें लैंगिक द्विरूपता पाई जाती है यानी नर और मादा की शारीरिक संरचना अलग-अलग होती है।
- नर पक्षी में एक स्पष्ट गुलर पाउच होता है जो प्रजनन का संकेत देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **मुख्य खतरे:** शिकार, हाई वोल्टेज बिजली लाइनों से टकराने से मौत, आदि।

संरक्षण स्थिति

- **IUCN लाल सूची:** क्रिटिकली एंडेंजर्ड
- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची-1
- **CITES:** परिशिष्ट-1
- वन्यजीव पर्यावासों के एकीकृत विकास के अंतर्गत प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम में शामिल।

-:25:-

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में घड़ियालों की सुरक्षा के लिए स्वतः संज्ञान लिया है।



मुख्य बिन्दु:

- **अवस्थिति और क्षेत्रफल:** यह मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में चंबल नदी के किनारे लगभग 5,400 वर्ग किमी में फैला हुआ है।
- यह भारत का पहला और एकमात्र त्रि-राज्यीय नदी तटीय संरक्षित क्षेत्र है।
- **स्थापना:** इसे 1979 ई. में नदी तटीय जैव विविधता के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया था।
- **महत्त्व:** यह क्रिटिकली एंडेंजर्ड घड़ियाल का प्रमुख पर्यावास है।
- चंबल नदी भारत की सबसे कम प्रदूषित बारहमासी नदियों में से एक है। इसलिए इस क्षेत्र में समृद्ध जलीय जैव विविधता प्राप्त होती है।
- **अभयारण्य में प्राप्त अन्य जीव-जंतु:** गंगा नदी डॉल्फिन, रेड-क्राउन्ड रूफड टर्टल, ताजे जल की अन्य कछुआ प्रजातियाँ, प्रवासी पक्षी, आदि।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस (HSV)

📢 चर्चा में क्यों?

- पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी सुधार गृह में अत्यधिक भीड़भाड़ के कारण हर्पीस वायरस के संक्रमण से सात कैदियों की मौत हो गई और 92 अन्य संक्रमित पाए गए हैं।



HERPES SIMPLEX VIRUS (HSV)

📌 मुख्य बिन्दु:

हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस (HSV)

- इसे सामान्यतः 'हर्पीस' के रूप में जाना जाता है। यह एक सामान्य वायरल संक्रमण है जो मुँह या जननांगों पर दर्दनाक छाले या अल्सर का कारण बनता है।
- इसका उपचार हो सकता है, लेकिन पूर्णतः ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि वायरस आजीवन शरीर में मौजूद रहता है।

HSV के प्रकार:

HSV टाइप 1:

- मुख्य रूप से ओरल हर्पीस का कारण बनता है, जो मुंह के आसपास ठंडे छाले के रूप में दिखाई देता है।
- यह ओरल कॉन्टैक्ट, लार या त्वचा के संपर्क से फैलता है।
- यह ओरल-जेनिटल संपर्क के माध्यम से जेनिटल हर्पीस (जननांगों पर संक्रमण) भी उत्पन्न कर सकता है।

HSV टाइप 2

- मुख्य रूप से जेनिटल हर्पीस का कारण बनता है।
- यह यौन संबंध के दौरान संक्रमित त्वचा, घाव या शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क में आने से फैलता है।
- **दुर्लभ संचरण:** टाइप 2 वायरस प्रसव के दौरान माँ से बच्चे में भी फैल सकता है, जिसे नियोनेटल हर्पीस कहा जाता है।